ई-रिक्शा के बेलगाम संचालन पर हाईकोर्ट सख्त

नवभारत न्यूज
ग्वालियर, 12 सितम्बर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए ग्वालियर सहित पूरे देश की सड़कों पर बेलगाम दौड़ रहे ई-रिक्शा के संचालन

60 दिन में बनेगी राष्ट्रव्यापी नीति, राज्यों को 30 दिन में करना होगा लागू

को लेकर सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की युगल पीठ ने केंद्र और राज्य सरकार के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं।

कोर्ट ने कहा कि महज 20 से 25 हजार रुपए जमा कर बिना लाइसेंस, रूट परमिट, फिटनेस और पंजीयन के ई-रिक्शा सड़कों पर उतारे जा रहे हैं। इससे जगह-जगह भारी ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हो रही है और आपराधिक गतिविधियों की आशंका भी बढ़ रही है।

अदालत ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय को 60 दिनों के भीतर ई-रिक्शा की संख्या, रूट परमिट और ट्रैफिक नियंत्रण को लेकर राष्ट्रव्यापी नीति तैयार कर सभी राज्यों को भेजने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद राज्यों को अपनी भौगोलिक और जनसांख्यिकीय स्थिति के अनुसार 30 दिन में इसे लागू करना होगा। कोर्ट ने ई-रिक्शा के तकनीकी डिजाइन और 'सेंटर ऑफ ग्रेविटी' में सुधार के भी निर्देश दिए हैं, ताकि मामूली मोड़ पर वाहन पलटने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। दैनिक नवभारत ने 'टमटम ने थामी शहर की रफ्तार....20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाले बैटरी वाहन बन रहे हैं यातायात व्यवस्था के लिए चुनौती', शीर्षक से इससे पहले ग्वालियर में ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या, मनमाने संचालन, प्रमुख मार्गों पर खड़े होकर सवारी भरने और इससे थमती शहर की रफ्तार का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। अब हाईकोर्ट के निर्देशों ने उसी समस्या की गंभीरता पर न्यायिक मुहर लगा दी है।

ग्वालियर नवभारत ग्वालियर, बुधवार 15 जुलाई, 2026 12

टमटम ने थामी शहर की रफ्तार

20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले बैटरी वाहन बन रहे हैं यातायात व्यवस्था के लिए चुनौती

सुनील गोयल

समस्या पर नवभारत की थी नजर

16 किलो गांजे के साथ दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

ग्वालियर, 12 सितम्बर। महाराजपुरा थाना पुलिस को नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने घेराबंदी कर दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 16 किलो 256 ग्राम गांजा जब्त किया गया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार बीती रात करीब एक बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक मादक पदार्थ की खेप लेकर लक्ष्मणगढ़ पुल के पास खड़े होकर किसी का इंतजार कर रहे हैं। सूचना मिलते ही महाराजपुरा थाना प्रभारी ने तत्काल टीम गठित कर मौके पर रवाना किया। पुलिस को देखकर दोनों युवक भागने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उन्हें धर दबोचा।

Digital India Power To Empower
CSC e-Governance Services India Limited,
CSC Your Trusted Neighbourhood Kiosk

"Applications Invited for District Coordinator (DC) Posts"

Applications are invited from eligible candidates for engagement as District Coordinators (DCs) on a contractual basis for the following districts in Madhya Pradesh:

District-wise Vacancies (1)
Dhar, Niwari, Damoh, Anuppur, Agar Malwa, Narsinghpur, Gwalior, Alirajpur.

Selection Process
Eligible candidates may apply online through weblink https://csc.gov.in/careers or QR Code →
Shortlisted candidates will be informed separately regarding the date, time and venue of the interview through email/ phone.
✓ Last date of Application is 28.09.2026

Scan to Apply Online & View Detailed Eligibility Criteria:

✓ Disclaimer: CSC e-Governance Services India Limited reserves the right to modify, postpone or cancel the recruitment process without assigning any reason.

मातृ मृत्यु दर कम करने एवं महिला स्वास्थ्य को बेहतर बनाने पर मंथन

नवभारत न्यूज
ग्वालियर, 12 सितम्बर। फोग्सी के सम्पूर्ण प्रोजेक्ट के अंतर्गत ग्वालियर में एक महत्वपूर्ण सीएमई का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गर्भावस्था एवं प्रसव से जुड़ी जटिलताओं की समय पर पहचान, उचित प्रबंधन तथा प्री-कन्सेप्शन काउंसलिंग के माध्यम से मातृ स्वास्थ्य में सुधार और मध्यप्रदेश में मातृ मृत्यु दर को कम करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ. एम. एस. सागर एवं डॉ. पवन जैन तथा अतिथियों का सम्मान डॉ. शैला सप्रे एवं डॉ. वीणा अग्रवाल उपस्थित रहीं। संपूर्ण परियोजना के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. निहारिका छात्रावास, मप्र राज्य समन्वयक डॉ. श्वेता कौल और उपन्यास प्रोजेक्ट के संयोजक डॉ. शशिबाला साओ ने महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन दिया। सीएमई के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कीर्ति यू.एन. धोंडे, अध्यक्ष, ग्वालियर प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी तथा डॉ. प्रीति गुप्ता ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव पर विशेष पैनल डिस्कशन : सीएमई का एक प्रमुख आकर्षण असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव पर आयोजित पैनल डिस्कशन रहा, जिसे दिल्ली से आई डॉ. उपमा सक्सेना ने मॉडरेट किया। डॉ. रोज़ा ओलियाई ने विशेषज्ञ के रूप में महत्वपूर्ण क्लिनिकल सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया।

पैनल डिस्कशन में डॉ. प्रीति गुप्ता, डॉ. रेनू जैन, डॉ. अंजलि जैन, डॉ. कुसुम सिंघल, डॉ. अनुराधा शर्मा, डॉ. रीता मिश्रा एवं डॉ. सुधा माहेश्वरी ने सक्रिय सहभागिता की तथा एयूबी के विभिन्न कारणों, निदान एवं उपचार की आधुनिक रणनीतियों पर अपने अनुभव साझा किए। फोग्सी संपूर्ण परियोजना के माध्यम से ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रमों को आगे भी जारी रखने पर जोर दिया गया, ताकि चिकित्सकों के ज्ञान एवं कौशल को और मजबूत कर मध्यप्रदेश में सुरक्षित मातृत्व और बेहतर महिला स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके.

सीएम राइज विद्यालय कुलैथ में हुआ शैक्षिक संवाद

ग्वालियर, 12 सितम्बर। ग्वालियर जिले के शासकीय स्कूलों में शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली के संबंध में जानकारी देने के लिये शैक्षिक संवाद आयोजित किए जा रहे हैं। इस क्रम में शनिवार को सीएम राइज विद्यालय कुलैथ में शैक्षिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परियोजना समन्वयक रविन्द्र सिंह तोमर ने जिले के शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रभावी शिक्षण व्यवस्था पर अपने विचार साझा किए। शैक्षिक संवाद के दौरान डीपीसी श्री तोमर ने कहा विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार लाने के लिए शिक्षकगण प्रयास करें।

जेन-जी कॉर्नर

कब तक परीक्षा के नाम पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़

राशी भदौरिया

हमारे देश में सरकारी नौकरी पाने के लिए परीक्षा देनी होती है, ये हम सभी को पता है लेकिन जब परीक्षा देने से पहले ही परीक्षा का पेपर लीक हो जाए, तब क्या किया जाए। देश में आए दिन कई परीक्षाएं होती है। लाखों छात्र कुछ हजार पदों के लिए संघर्ष करते है और परीक्षा देते है। परीक्षा के लिए छात्र धैर्य रखकर मेहनत करते है लेकिन परीक्षा के परिणाम के लिए छात्रों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। ईमानदारी से मेहनत करने के बाद भी जब परीक्षाएँ रद्द होती रहें, परिणामों में देरी होती रहे, पेपर लीक होते रहे और अवसर लगातार कम होते जाएंतो छात्र आखिर क्या करे ?

मन की बात मन ही जाने

छात्रों से उम्मीद की जाती है कि वे मेहनत करे और हर चुनौती को स्वीकार करें, जबकि देश की मौजूदा परीक्षा व्यवस्था अक्सर छात्रों को उनकी मेहनत के बदले वह निष्पक्षता और निश्चितता देने में असफल रहती है। छात्र वर्षों तक पढ़ाई करते है, लोगों के तानें सुनते है, अपनी नींद, सामाजिक जीवन और परिवार के साथ बिताए समय का त्याग करते ताकि जीवन में कुछ हासिल कर सके और अंत में जब उन्हें पता चले कि जिस परीक्षा के लिए उन्होंने इतनी मेहनत की, वही परीक्षा भ्रष्टाचार या अनियमितता की भेंट चढ़ गई तो क्या बीतती होगी उनके मन पर। यही वजह है कि हताश होकर कई छात्र आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाते है क्योंकि इतने साल मेहनत करने के बाद न तो वो परीक्षा में सफल हो पाते है और न अपनी काबिलियत के अनुसार कोई अच्छी नौकरी हासिल कर पाते है।

आर्थिक और भावनात्मक नुकसान

छात्र हर रोज घटों परीक्षा की तैयारियां करते है। कोचिंग की फीस देते है। परीक्षाओं के फॉर्म भरने के लिए आवेदन शुल्क देते है। फिर यात्रा और रहने के लिए पैसे खर्च करते है। इन सबके बाद अगर प्रशासनिक लापरवाही या पेपर लीक के कारण वो परीक्षा रद्द हो जाती है, तो उसका आर्थिक के साथ-साथ भावनात्मक नुकसान भी छात्रों को ही उठाना पड़ता है।

बढ़ाए जाएं आमदनी के मौके

सरकारी नौकरी स्थिरता और सुरक्षा प्रदान करती हैं, इसलिए ज्यादातर छात्र सरकारी परीक्षाओं की तैयारी करते है लेकिन जब लाखों छात्र कुछ ही पदों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो दबाव बहुत बढ़ जाता है। ऐसे में सरकार द्वारा छात्रों के लिए रोजगार के सार्थक अवसर बढ़ाए जाने चाहिए। समय पर भर्ती सुनिश्चित की जानी चाहिए। छात्रों को अवसर देने के साथ सरकार को शिक्षा व्यवस्था में सुधार करने के सार्थक प्रयास करने चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए।

यह देश के भविष्य के साथ सरासर नाइंसाफी...

देश में हो रही पेपर लीक की घटनाएं हर उस छात्र के साथ अन्याय है जो ईमानदारी से मेहनत करता है और अपनी काबिलियत के दम पर कुछ बनने का सपना देखता है। यही वजह है कि अपने हक के लिए छात्रों को सड़कों पर उतरना पड़ा और परिक्षा के नाम पर अपने साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी पड़ी। छात्रों द्वारा परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ किया गया आंदोलन केवल किसी एक परीक्षा, एक राज्य या एक सरकार के खिलाफ नहीं बल्कि उस पूरी व्यवस्था के खिलाफ था जिसकी वजह से छात्रों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। छात्रों के आंदोलन ने यह साबित किया कि यदि एकजुट होकर अपने हक के लिए आवाज उठाई जाए तो आपकी आवाज को सुना भी जाएगा और आपके साथ इंसाफ भी किया जाएगा। हर वो व्यक्ति जो शिक्षा को मजाक समझता है उसे जवाब देना होगा कि आखिर क्या ऐसी वजह है जिसके कारण वह लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद करने तक से नहीं कतराया।

छात्र आंदोलनों से सियासी हितों को रखें दूर

छात्र आंदोलनों से सियासी हितों को दूर रखा जाना चाहिए। छात्रों का भविष्य राजनीति की भेट नहीं चढ़ना चाहिए। राजनीतिक दलों और नेताओं का छात्रों के आंदोलन में भाग लेना और आंदोलन के जरिए अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करना बेहद निंदनीय है। छात्र आंदोलन किसी पार्टी के समर्थन या विरोध का मुद्दा नहीं है। छात्रों का आंदोलन तो पेपर लीक और उसके जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ है। पेपर लीक हर किसी की जवाबदेही का मुद्दा होना चाहिए। यदि कोई नेता भ्रष्ट है या उसने छात्रों को निराश किया है, तो उसकी राजनीतिक पहचान उसे आलोचना से बचाने का आधार नहीं बननी चाहिए अन्यथा देश का हर एक छात्र परीक्षा देने से डरेगा।

इस वर्ष का हिन्दीसेवी सम्मान अभय कात्यायन को

नवभारत न्यूज
ग्वालियर, 12 सितम्बर। मध्य भारतीय हिंदी साहित्य सभा द्वारा हिंदी दिवस 14 सितंबर के अवसर पर इस वर्ष का हिंदीसेवी सम्मान मध्य प्रदेश के वरिष्ठ भाषाविद महर्षि अभय कात्यायन को प्रदान किया जा रहा है। अहिंदी भाषी हिंदी सेवी सम्मान स्व. भगवान दास आहूजा जी की स्मृति में ऐसे साहित्यकार को प्रदान किया जाता है जो अहिंदी भाषी होते हुए हिंदी साहित्य में विविध रचनाओं के द्वारा इसकी समृद्धि और संवर्धन हेतु सतत प्रयासरत है, इस वर्ष का अहिंदी भाषी हिंदीसेवी सम्मान ख्यातनाम व्यंग्यकार श्रीमती समीक्षा तैलंग जी को प्रदान किया जा रहा है।

आदर्श शिक्षक सम्मान स्व.श्री गुरुशरण सक्सेना एवं आदर्श शिक्षिका सम्मान स्व. श्रीमती शांति देवी चौहान की स्मृति में प्रतिवर्ष साहित्य सभा आयोजित करती आ रही है। इस वर्ष के आदर्श शिक्षक सम्मान से सिंधिया स्कूल के सांस्कृतिक सामाजिक एवं हिन्दी भाषा के प्रति आत्मगौरव के भाव जागरण हेतु सतत् प्रयासरत श्री मनोज कुमार मिश्रा को एवं आदर्श शिक्षिका सम्मान से विधी शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ एवं न्याय की वैश्विक व्यवस्था में भारत के योगदान को रेखांकित करने वाली श्रीमती नीति पांडे जी को प्रदान किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के पूर्व कुलगुरु डॉ राजकुमार आचार्य एवं मुख्य अतिथि राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु डॉ. स्मिता सहस्त्रबुद्धे जी एवं विशिष्ट अतिथि साहित्य सभा की सभासद आईपीएस श्रीमती सुमन गुर्जर रहेंगी। कार्यक्रम सायं काल 4 से 6 के बीच होगा।

कार्यक्रम स्थल माधव महाविद्यालय नई सड़क हनुमान चौराहा के सामने संघ कार्यालय में स्थित विवेकानंद सभागार रहेगा।

विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर, 12 सितम्बर। माय भारत केंद्र ग्वालियर द्वारा शासकीय डॉ. भीमराव अंबेडकर पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में 'विकसित भारत युवा कनेक्ट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम युवाओं को विकसित भारत 2047 के संकल्प से जोड़ना तथा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय जैन ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, कौशल, खेल एवं राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। जिला युवा अधिकारी श्रीमती अंजली कुमारी ने कहा कि मेरा युवा भारत के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से नशामुक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। यूथ आइकन श्री दर्शन तहकीत ने कहा कि युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए नशे से दूर रहना चाहिए।

बदल रही मानसिक स्वास्थ्य की तस्वीर, मानसिक तनाव से डिमेंशिया तक...

सुनील गोयल
ग्वालियर, 12 सितम्बर। मानसिक स्वास्थ्य की तस्वीर तेजी से बदल रही है। डिप्रेशन, एंग्जायटी, नींद की समस्या और लगातार तनाव के साथ बच्चों-युवाओं में पढ़ाई, करियर, रिश्तों

बच्चों-युवाओं में पढ़ाई, करियर और सोशल मीडिया का तनाव, बुजुर्गों में भूलने-व्यवहार बदलने की समस्या, जागरूकता बढ़ी लेकिन बीमारीवार आंकड़े उपलब्ध नहीं

और सोशल मीडिया से जुड़ी परेशानियां सामने आ रही हैं।

बुजुर्गों में याददाश्त कमजोर होना, व्यवहार बदलना और रोजमर्रा के कामों में परेशानी डिमेंशिया के संकेत हो सकते हैं, हालांकि हर भूलने की समस्या डिमेंशिया नहीं है।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के अनुसार भारत में करीब 15 करोड़ लोगों को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की जरूरत है। वर्तमान मानसिक रुग्णता 10.56च और जीवनभर की व्यापकता 13.67ज है। मध्य प्रदेश में जीवनभर की रुग्णता दर 13.9ज और ट्रीटमेंट गैप करीब 91ज है। ग्वालियर में मानसिक रोगियों की वास्तविक संख्या का वर्षवार और बीमारीवार समेकित आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

इनका कहना है...

मानसिक रोग विशेषज्ञ एवं न्यूरोसर्जन डॉ. अंकित मीणा (एमसीएच) के अनुसार जागरूकता बढ़ने से एंग्जायटी, डिप्रेशन और नींद की समस्या में लोग अब मदद लेने लगे हैं। डिमेंशिया की शुरुआती पहचान और उपचार से स्थिति गंभीर होने से रोकी जा सकती है।

मानसिक आरोग्यशाला के निदेशक डॉ. संजय लहारिया के अनुसार बच्चों-युवाओं में तनाव और बुजुर्गों में भूलने की समस्या को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लगातार उदासी, अत्यधिक चिंता, नींद में बदलाव, सामाजिक दूरी और अचानक व्यवहार परिवर्तन चेतावनी के संकेत हैं। जरूरत नियमित और बीमारीवार आंकड़े तैयार करने की भी है।

मानसिक तनाव के संकेतों की पहचान जरूरी : डॉ भनोत

नवभारत न्यूज
ग्वालियर, 12 सितम्बर। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल एंड एलाइड साइंसेज की ओर से 'साइकोलॉजिकल फर्स्ट एड एंड सुसाइड प्रिवेंशन इन द टाइम ऑफ डिस्ट्रेस' विषय पर जागरूकता एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ एमिटी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो डॉ आर एस तोमर एवं प्रो चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वी के शर्मा, एवीएसएम द्वारा आमंत्रित वक्ताओं की उपस्थिति में किया गया। 'आत्महत्या रोकथाम : सोच में बदलाव' विषय पर प्रो. गौरी शंकर कलोइया, नैदानिक मनोविज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली ने प्रशिक्षण दिया। वहीं प्रो. संजय लहरिया, निदेशक, ग्वालियर मानसिक आरोग्यशाला ने मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्महत्या रोकथाम के महत्व पर विचार रखे। दूसरे विषय 'संकट के समय मनोवैज्ञानिक प्राथमिक सहायता एवं आत्महत्या रोकथाम' पर डॉ. दिव्या भनोट, सहायक प्राध्यापक, मनोविज्ञान विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर ने मनोवैज्ञानिक प्राथमिक सहायता, भावनात्मक संकट के शुरुआती संकेतों को पहचानने, धैर्यपूर्वक सुनने, सहानुभूतिपूर्ण संवाद तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ सहायता से जोड़ने की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने 'सोच में बदलाव' विषय पर पांच जागरूकता नाटिकाएं प्रस्तुत कीं। इस कार्यक्रम में प्रो वाइस चांसलर प्रो डॉ एम पी कौशिक, प्रो डॉ नवरत्न शर्मा, प्रो राघवेंद्र शर्मा एवं सभी संकाय प्रमुख उपस्थित रहे। सुश्री श्वेता पटवा, सहायक प्राध्यापक, कार्यक्रम समन्वयक तथा सुश्री अंजलि सिंह, सहायक प्राध्यापक, सह-समन्वयक रहीं।

आईटीएम में मॉडल यूनाइटेड नेशंस-2026 का आयोजन

नवभारत न्यूज
ग्वालियर, 12 सितम्बर। आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफबिजनेस एंड लीडरशिप द्वारा 'मॉडल यूनाइटेड नेशंस-2026' (एमयूएन-2026) कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जहां अतिथि एंव निर्णायक मंडल के रूप में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय, मुख्य प्रॉक्टर केशव कंसाना, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीपशिखा चौहान, स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के एचओडी मनीष जैसल, स्कूल ऑफ बिजनेस एंड लीडरशिप की एचओडी अमेया चौहान शामिल हुईं। एमयूएन का समन्वय असिस्टेंट प्रोफेसर कामिनी तोमर और असिस्टेंट प्रोफेसर तनीषा सैनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

नौ देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का छात्र-छात्राओं ने प्रतिनिधित्व करते हुए डिबेट कर ज्वलंत समस्याओं का समाधान ढूंढा। छात्र-छात्राओं ने यूरोपीय संघ, जापान, आस्ट्रेलिया, चीन, बांग्लादेश, केन्या, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और ब्राजील के डेलीगेट्स के रूप में प्रतिनिधित्व किया। चर्चा के दौरान जलवायु परिवर्तन से निपटने, प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने, जैव विविधता का संरक्षण करने और सतत आर्थिक विकास हासिल करने में अतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया गया।

आर्यन, अन्वेश को बेस्ट डेलीगेट के खिताब से सम्मानित किया गया

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफबिजनेस एंड लीडरशिप द्वारा 'मॉडल यूनाइटेड नेशंस-2026' (एमयूएन-2026) कॉन्फ्रेंस के दौरान निर्णायक मंडल ने अपना निर्णय प्रदान किया। जिसमें आर्यन माहेश्वरी और अन्वेशा श्रीवास्तव को बेस्ट डेलीगेट का खिताब प्रदान किया गया। वहीं कुणाल साहू और यशु मंगल को बेस्ट कम्मेडेशन का खिताब तो वहीं हर्षवर्धन और विश्वजीत को बेस्ट नेगोसिएटर के खिताब से सम्मानित किया गया।

चेम्बर में शुरू हुआ दो-दिवसीय सोलर फेयर-2026

नवभारत न्यूज
ग्वालियर, 12 सितम्बर। दो-दिवसीय सोलर फेयर-2026 का आज शनिवार को चेम्बर अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल द्वारा फीता काटकर शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर संयुक्त अध्यक्ष-सुरेश बंसल, उपाध्यक्ष-संदीप नारायण अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल,

रविवार को भी दोपहर में 12.00 से रात्रि 8.00 बजे तक होगा आयोजन

मानसेवी संयुक्त सचिव-दीपक पमनानी एवं कोषाध्यक्ष-मनोज अग्रवाल सहित सोलर वेण्डर्स व व्यवसायीगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने उपस्थितजनों का स्वागत करते हुए कहा कि म. प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री ने जब प्रथम 'सोलर फेयर' आयोजित किया था, तब

ग्वालियर की छतों पर सोलर पैनल दिखाई नहीं देते थे, तब ये लक्ष्य था कि शहरवासी अधिक से अधिक सोलर के प्रति जागरुक हों। आज जब हम चौथा 'सोलर फेयर' आयोजित कर रहे हैं, तब दूसरी कई समस्याएँ सामने आ रहीं हैं, जैसे कि किसी का मीटर बहुत देर में लग रहा है, तो किसी का उत्पादन कम हो रहा है। आपने उदाहरण देते हुए कहा कि अभी-अभी एक उपभोक्ता ने बताया कि सोलर लगने के बाद उसका बिजली का बिल अधिक आ रहा है। आपने सोलर विक्रेताओं से अपील करते हुए कहा कि आप उपभोक्ता के यहाँ सोलर लगाने के बाद कम से कम 6 माह तक उसकी मॉनीटरिंग करें, उसकी चिंता करें। यदि कोई समस्या आती है, तब उसका निराकरण भी त्वरित करें। जब आप ऐसा करेंगे, तब अवश ?य ही आपको ग्राहक भी अधिक संख्या में उपलब्ध होंगे। इस अवसर पर आपने विद्युत वितरण कं. के अधिकारियों से भी कहा कि आप भी अपने विभाग से संबंधित सोलर मीटर से संबंधित समस्याओं का शीघ्र समाधान करें। सोलर मीटर लगाने में अधिक समय न लें, तभी हर घर सोलर लगाने का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

व्यापारियों व नागरिकों से लाभ उठाने की अपील

कार्यक्रम का संचालन, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल ने किया। आपने इस अवसर पर लगातार चौथे 'सोलर फेयर' के आयोजन में शामिल होने वाले सभी सोलर वेण्डर्स सहित उपस्थित व्यवसाईयों को कार्यक्रम की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी। पदाधिकारियों ने अवगत कराया है कि 'सोलर फेयर' का आयोजन रविवार, 13 सितम्बर को भी इसी प्रकार होगा। आपने ग्वालियर अंचल के व्यापारियों एवं उद्योगपतियों सहित आम नागरिकों से रविवार को 'सोलर फेयर-2026' में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर, लाभ उठाने की अपील की है।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिये मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा सिटी सेंटर, ग्वालियर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., सिटी सेंटर से मुद्रित. संपादक हरीश दुबे* समाचार संपादक- अनिल शर्मा, फोन-0751-4086200, फैक्स- 2343200 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार डाक पंजीयन क्रमांक 507/2008/ग्वा. RNI Reg. No. 62237/95